an>

Title: Need to develop agricultural and industrial activities in Bundelkhand region to generate employment and check migration.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): अध्यक्ष महोदया, पूरे शीतकालीन सत्र को कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने बाधित करने का असफल प्रयास किया, लेकिन उसके बावजूद भी आपने देश को सूखे के संकट से निपटने के लिए चर्चा कराई। उस चर्चा में काफी व्यवधान उत्पन्न हुआ। हम लोग क्षेत्र से आते हैं। क्षेत्र की जनता हमें यहां इसलिए भेजती है, ताकि हम वहां का दर्द यहां बता सकें और सरकार उसका निदान कर सके। संवेदनशून्य विपक्ष बाधा उत्पन्न कर रहा है।

अध्यक्ष महोदया, मैं बुन्देलखंड का निवासी हूं। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के नागरिकों ने अपनी समस्या को संसद में उठाने के लिए मुझे यहां भेजा है। मैंने वहां की समस्या से सदन को हर बार और बार-बार अवगत कराया है। सदन और देश बुन्देलखंड के गंभीर संकट को समझता है। कल रात ग्यारह बजे जी न्यूज समाचार चैनल के लोग बुन्देलखंड के गांव में गये और वहां के अन्नदाताओं का असली कष्ट डी.एन.ए. समाचार में दिखाने का काम किया। वे बधाई के पात्र हैं।

अध्यक्ष महोदया, जब हम अपनी बात उठाते हैं, तो उसे यहां अतिश्योक्ति माना जाता है कि ये लोग सांसद हैं, इसलिए जनता की बात यहां बढ़ा-चढ़ाकर बोल रहे हैं। जबकि हम लोग सिर्फ बयां कर सकते हैं। ज़ी-मीडिया ने उस दर्द को दिखाया। हमारे बुन्देलखंड में लोग घास की रोटी खाने के लिए मजबूर हैं। निश्चित रूप से यह किसी मामले में अतिश्योक्ति लग सकता है, लेकिन जब किसी के घर में अनाज नहीं बचता, तो वह जंगल जाकर घास के कुछ तिनके निकालता है। वहां इस प्रकार का कुछ जंगली चारा वगैरह है, जिससे वह रोटी बनाते हैं और पापी पेट की भूख मिटाने के लिए खाने को मजबूर होते हैं। इस कारण लोग गांव में कृषि से विमुख हो रहे हैं और धीरे-धीरे पलायन करते जा रहे हैं। देश में रोजगार के लिए पलायन एक सामाजिक समस्या है। बुन्देलखंड में विगत दस वर्षों से यह समस्या और भी गंभीर हो गयी है। इस क्षेत्र में कृषि के साथ आजीविका के अन्य साधन विकसित करने की जरूरत है। मेरे संसदीय क्षेत्र हमीरपुर में यमुना नदी के किनारे 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र उपलब्ध है जिस पर खेती नहीं होती है। यह भूमि बहुत कम दरों पर किसान बेचने को मजबूर हैं।

मेरे संसदीय क्षेत्र में खेती के लिए बहुत व्यापक जगह है, पर्याप्त मात्रा में साधन उपलब्ध है और श्रम के लिए लोग उपस्थित हैं। मैं आपके माध्यम से भारत से निवेदन करना चाहता हूं कि बुंदेलखण्ड में कृषि प्रोत्साहन के साथ उद्योगों के विकास पर बल दिया जाए जिससे इस क्षेत्र में लोगों का पलायन रोका जा सके और जनता खुशहाल हो सके।

माननीय अध्यक्ष: श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री मुकेश राजपुत को कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।